MR. SPEAKER: It is self-explanatory, zone of pease means zone of peace.

Next question.

New Lines in Bihar and West Bengal

*364. SHRI KAMLA MISHRA MADHUKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the new areas where survey for setting new railway lines in the States of Bihar and West Bengal have been undertaken during the last one year;

(b) whether these Governments have sent in their respective demands and proposals for opening new railway lines in certain areas where lack of proper communication is preventing developmental activities; and

(c) if so, the facts thereof and the steps being taken to bring such areas under the railway net-work?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILYAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c). A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) **Lines recently surveyed.**

(i) Ranchi Road-Hazaribagh Town-Koderma-Giridih (194 kms.) (Bihar) Estimated cost Rs. 55.26 crores.

(ii) Budge Budge-Namkhana (104. 1 kms.) (West Bengal) Estimated cost Rs. 15.76 crores.

Surveys in Progress.

(i) Mandarhill- Baidyanathdham (55 kms.) (Bihar)

(ii) Arrah-Sasaram (105 kms.) (Bihar).

(iii) Final location cum traffic survey between Dehri-on-Sone and Pipradih via Amjhore and Banjara (66 kms.) (Bihar).

(iv) Reconnaissance Engineering-cum-Traffic Survey for BG line between Gaya and Rajgir (43 kms.) (Bihar).

(v) Preliminary Engineering-cum-Traffic survey for rail link between Barwadih-Karonji (154 kms.) (Partly in Bihar and partly in Madhya Pradesh).

(vi) Kharagpur-Digha (West Bengal).

(b) **Proposals received from State Governments of Bihar and West Bengal.**

(i) New line from Ranchi Road to Giridih via Koderma.

(ii) New GB link from Budge Budge to Namkhana and between Lakshmikantapur and Kulpi.

(c) Survey reports of Ranchi Road-Giridih and Budge Budge-Namkhana including Lakshmikantapur- Kulpi new rail links have been received recently and are under active consideration. A decision will be taken after evaluation of the survey reports.

श्री कमला मिश्र मधुकर : अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय का जो बयान है वह बहुत ही गोल-मटोल है । जैसा कि उत्तर में बताया गया है कि—"रांची–गिरीडोह और बजबज-नीमखाना जिसमें लक्ष्मीकांतपुर-कुलपी नई रेलवे लाइन शामिल हैं, की सर्वेक्षण रिपोर्ट हाल ही में प्राप्त हुई है और इन पर सक्रीय रूप से विचार किया जा रहा है । सर्वेक्षण रिपोर्टों का मूल्यांकन हो जाने के बाद ही इस सम्बन्ध में कोई विनिश्चय किया जा सकेगा ।" मैं पूछना चाहता हूं कि यह विचार कब तक होगा और कब तक इसको कार्यरूप दिया जाएगा । इसके लिए क्या आपने कोई टाइम लिमिट बनाई है कि कब तक कार्यवाही करेंगे और इस ओर आप क्या कदम बढ़ा रहे हैं ?

श्री मल्लिकार्जुन : यहां गोल-मटोल तो कोई चीज है नहीं। सरकार जो कुछ भी करती है सत्य की दृष्टि में रखते हुए करती है और सत्य को ही सदन के सामने लाती है। माननीय सदस्य ने पूछा है कि बजबजखाना नीमखाना लाइन का जो सर्वेक्षण कार्य चल रहा है है इसका कब तक अंत होगा। रांची-हजारीबाग-कोडर्मा और बजबज नीमखाना का सर्वे हो चुका है और सर्वे रिपोर्ट सरकार के विचाराधीन है। जब इन पर विचार कर लिया जायेगा तब प्लानिंग कमीशन के पास क्लीयरेंस के लिए भेजा जायेगा और क्लीयरेंस मिल जाने के बाद इन लाइनों को टेक अप किया जायेगा।

श्री कमला मिश्र मधुकर : बिहार और पश्चिम बंगाल रेलों के मामले में बहुत पिछड़े हुए हैं। क्या सरकार बता सकती है कि मुजफ्फरपुर से नहरकटिया-गंज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का सरकार का विचार है और है तो उस सिलसिले में सरकार ने कौन सी कार्रवाही की है ?

रेल मंत्री (श्री केदार पांडे) : मुजफ्फरपुर से बगहा लाइन के कनवर्शन की बात मैंने मान ली है और इसी सदन में आश्वासन दिया है कि उसका सर्वे हम कराने जा रहे हैं। सर्वे के बाद ही कोई कार्रवाही उस पर होगी।

श्री शिव प्रसाद साहू : रांची से लोहरदगा और लोहरदगा से टोरी तक की लाइनों का जहां तक मुझे जानकारी है कुछ महीने पहले सर्वे हो चुका है और उस पर तेरह करोड़ और कुछ लाख रुपये लागत आने का अनुमान है। हिन्दुस्तान में आदिवासियों का सब से ज्यादा बड़े और पिछड़े हुए रांची और पलामऊ जिले हैं। हजारों नहीं लाखों लोग बेकारी और बेरोजगारी की वजह से वहां से भाग भाग कर अन्यत्र जा रहे हैं। इन पिछड़े हुए जिलों का खयाल रखते हुए और आदिवासियों, हरिजनों और पिछड़े वर्गों की तरक्की को ध्यान में रखते हुए क्या आप इसी बजट में इन लाइनों के लिए कुछ प्रावधान कर रहे हैं अथवा नहीं ?

श्री मल्लिकार्जुन : माननीय सदस्य रांची से लोहरदगा तक की बात कर रहे हैं। फिलहाल इस प्रश्न में रांची रोड़ से हजारीबाग वाया कोडर्मा की चर्चा है जिसका सर्वे किया जा चुका है।

श्री राम विलास पासवान : : रेलवे लाइनों का विकास इसको देखकर किया जाता है कि कोई कितना पिछड़ा हुआ इलाका है और साथ ही साथ ऐतिहासिक स्थानों का भी ध्यान रखा जाता है। इसको देखते हुए हाजीपुर-सुगौली बैतिया-लाइन इस कैटेगरी में पड़ती है और मंत्री जी का भी उस में निर्वाचन क्षत्र पड़ता है —

अध्यक्ष महोदय : : फेवरिटिज्म कराना चाहते हैं।

श्री राम विलास पासवान : जी नहीं। वैसाली एक ऐतिहासिक स्थल है और परम्परा से चला आ रहा है। आप सब उससे परिचित हैं। वह भी अभी तक अछूता पड़ा है। मंत्री जी के पास पहले भी जो मंत्री जी थे, उन के पास वहां के लोगों ने बार बार आग्रह किया है कि और हम लोगों ने मौखिक कर दिया है लेकिन कुछ कार्रवाही नहीं हुई है। मैं जानना चाहता हूं कि इस रेलवे लाइन को निकालने का आप विचार कर रहे हैं ?

दरभंगा से लेकर वशेश्वरस्थान होते हुए सहरसा तक का इलाका

बिल्कुल अछूता इलाका है जहां किसी तरह की न तो सड़कें हैं और न ही रेलवे लाइनें । क्या उस तरफ भी रेलवे लाइन बिछाने का प्रयास किया जायेगा ?

श्री मल्लिकार्जुन : पिछड़े हुए स्थानों के विकास की जहां तक बात है —

श्री राम विलास पासवान : सुगौली का इनको मालूम ही नहीं है तो ये जवाब क्या देंगे ? बैशाली कहां है इनको पता नहीं है ——

श्री मल्लिकार्जुन : माननीय सदस्य प्रश्न को समझे नहीं हैं । वह तो जनरल बात करना चाहते हैं । प्रश्न यह है कि बिहार और वैस्ट बंगाल में रेलवे लाइनों के सर्वे की क्या पोजीशन है । उसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं । बिहार और बंगाल में दो लाइनों का सर्वे हो चुका है और वह विषय हमारे एक्जामिनेशन में है और 6 लाइनों का सर्वे बिहार और बंगाल में प्रोग्रेस में है । आप किस स्थान की बात कर रहे हैं कि पिछड़ा हुआ स्थान है उन एरियाज में रेलवे लाइनों के विकास के बारे में नेशनल ट्रांस्पोर्ट पोलिसी कमेटी की रिपोर्ट प्लानिंग कमीशन को दी गई है और पिछड़े हुए इलाकों को आगे बढ़ाने के लिए जो पौलिसी है उसको दृष्टि में रख कर भविष्य में सरकार काम करेगी और सरकार चाहती है कि पिछड़े हुए क्षेत्रों में रेलवे लाइन स्थापित करें । लेकिन आर्थिक कठिनाइयों की वजह से सारा काम एक साथ नहीं हो पाता । जो कमेटी बनाई गई है और जिसकी सिफारिशें प्लानिंग कमीशन में हैं उनसे क्लीयरेंस आने के बाद कार्यवाही की जायेगी ।

डा० बी० एन० सिंह : अध्यक्ष जी, मैं जानना चाहता हूं कि रांची रोड से हजारीबाग और हजारीबाग से कोडरमा रेल लाइन का सर्वे कम्पलीट हो चुका है इस के बारे में आप कब तक देखभाल करेंगे ? मैं जानना चाहता हूं कि छठी पंचवर्षीय योजना में उसको शामिल करके काम होने जा रहा है कि नहीं ? छोटा नागपुर का इलाका बहुत पिछड़ा हुआ क्षेत्र है यहां के लोगों ने अभी तक रेल नहीं देखी है । क्या आप छठी योजना में उसको शुरू कर रहे हैं कि नहीं ?

श्री केदार पांडेय : माननीय सदस्य ने जो सवाल रखा है कि वह पिछड़ा हुआ इलाका है यह बात सही है । वह ट्राइबल ऐरिया है और उस पर विशेष ध्यान है । सर्वे कम्पलीट हो चुक है और छठी पंचवर्षीय योजना में इनक्लूड करने का विचार हो रहा है प्लानिंग कमीशन की सहमति की आवश्यकता होगी ।

श्री धनिक लाल मंडल : मान्यवर, एक रेल लाइन है जो छितौनी, बगहा से चम्पारन और देवरिया को जाती है । छितौनी ब्रिज अभी नहीं है, और वह रेलवे लाइन चली आती है दरभंगा और दरभंगा से यह लाइन जाती है . .

अध्यक्ष महोदय : : आप लोगों ने कभी यह सोचा है कि एक प्रश्न पर अगर 20 सदस्य सवाल करेंगे तो और सवाल कैसे लिये जायेंगे ।

श्री धनिक लाल मंडल : मान्यवर, हमारे यहां न सड़क है और न रेल है । बरेली से अमीनगांव के लिए जो सेंक्शन हुई थी वह दरभंगा में जा कर रूक गई है और . . .

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल आप लिख कर पूछ लीजिएगा, मैं जवाब दिलवा दूंगा ।

श्री धनिक लाल मंडल : यह रेलवे लाइन उत्तर प्रदेश होते हुए बिहार में जो मंत्री जी का जिला है, दरभंगा, निर्मली, सहरसा होते हुए दार्जिलिंग जाएगी, यानी उत्तर प्रदेश को बिहार से जोड़ने और बिहार को बंगाल से जोड़ने का काम करेगी ....

MR. SPEAKER: You give this in writing. This is not a question which can be orally answered. You give it. I will get it done as an Unstarred Question.

Now question 365. Mr Gamit. Members should cooperate here. If you want to lengthen a question and supplementaries for 5 or 7 minutes, what can we do about it? I cannot allow 10 questions in one supplementary.

Yes, Mr. A. K. Roy. Question 366.

Dhanbad-Sindri Line

*366. SHRI A. K. ROY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there are railway lines existing between Dhanbad and Sindri and Dhanbad and Bhojudih for goods traffic while from Dhanbad to Patherdih tracks are used both for the goods and the passenger trains;

(b) whether there were repeated demands for extending passenger service also to Sindri and Bhojudih from Patherdih at a distance of four miles from it;

(c) whether with the closure of coal based fertilizer factory at Sindri movement of coal in that area would be decreased making the line available for passenger traffic; and

(d) if so, the steps taken in regard thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b). Yes, Sir.

(c) No Sir.

(d) At present the platform line at Patherdih passenger station terminates at a dead end. Extension of the existing trains between Dhanbad and Patherdih to and from Bhojudih or Sindri is not possible as this would involve extension of the present passenger line upto Bhojudih which is not possible because of human habitation, Damodar River, Collieries and the rocky topography. In case the present goods line is utilised for passenger services, it would seriously affect coal loading and goods operation and is therefore not desirable.

SHRI A K. ROY: It has been the practice in the House to depute Deputy Ministers whenever there is a negative answer to be given. But here, my purpose was not to get an answer—and definitely not a negative answer—but to get a few trains on the lines which are already existing. The Railway Minister knows that there are 2 lines connecting Dhanbad with Sindri: One line *via* Pradhankanda and another *via* Patherdih. Trains do run through these lines. We only want that in one of these lines, passenger trains should move. Sir, you know that the coal-based Sindri fertilizer plant has been closed. Because of this, coal movement would definitely decrease. So, it definitely gives scope for a few passenger trains to be run from Dhanbad to Sindri; and from Dhanbad to Bhojudih also, there are 2 lines. A passenger train is already running through Dhanbad district. On the Damodar river, there is already a railway bridge. Because of this, I am surprised to get this answer. I would like to know what is meant by the capacity of a line regarding wagon movement.

MR. SPEAKER: Is it a question or speech ?

SHRI A. K. ROY: Sir, please read the answer given. It is a fantastic answer which they have given. And the Railway Minister knows it.